विषय– कृषि
(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

1. जलवायु विज्ञान– उत्तर प्रदेश में मौसम और ऋतुएँ। फसलों पर अनुकूल तथा प्रतिकूल मौसम का प्रभाव। वर्षा, उसमें वार्षिक तथा ऋतुगत परिवर्तन, उसके वितरण का फसलों पर प्रभाव। 2

2. **मृदायें–**मृदा निर्माण, मृदा संगठन, मिट्टी के भौतिक गुण–मृदा गठन, भूमि ताप, मृदा जल उ0प्र0 के मृदाओं का संक्षिप्त विवरण। 10

3. सिंचाई और जल निकास–(क) पौधों को जल की आवश्यकता, नमी संरक्षण, अत्यधिक जल से हानियाँ, जल-निकास की सामान्य विधियाँ।

(ख) उत्थापक के प्रकार, उनके नाम, वाशर रहट तथा शक्ति चलित पम्प का विशेष ज्ञान। 10

4. खाद तथा उर्वरक– जैविक खाद, गोबर की खाद, कम्पोस्ट खाद, हरी खाद आदि। 10

5. कर्षण–जुताई के उद्देश्य और विधि। 03

6. कृषि यन्त्र–(क) विभिन्न प्रकार के हल जैसे-मेस्टन, शाबाश केयर, यू0पी0 नं0–2 । 10

(ख) कल्टीवेटर।

(ग) हैरो के विभिन्न प्रकार

(घ) अन्य यन्त्र–पटेला, रोलर, करहा।

(ङ) हाथ के औजार–खुरपी तथा फावड़ा।

7. फसलों का वर्गीकरण–फसल चक्र, शुष्क खेती, मिलवाँ फसल तथा बहु फसलों की खेती। 03

8. निम्न फसलों की खेती–मक्का, बाजरा, अरहर, उर्द, मूँग, चना, मटर, सरसों तथा बरसीम। 10

9. पशुपालन–गाय, भैंस तथा बकरी की उन्नत नस्लें। 10

10. लेखपाल के कागजात–गाँव का नक्शा तथा खतौनी। 02

प्रयोगात्मक **10**

1–बीज शैय्या तैयार करना। 03

2–कृषि यन्त्र, बीज, खरपतवार की पहचान। 03

3–मौखिक। 02

4–वार्षिक अभिलेख। 02

प्रोजेक्ट कार्य 10

नोट :–निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी बनवा सकते हैं।

1–ऋतुओं का वर्णन एवं उसमें उगाई जाने वाली फसलों का अध्ययन करना।

2–मृदा के भौतिक गुणों का अध्ययन करना।

3–विभिन्न प्रकार की जैविक खाद व रासायनिक खाद का अध्ययन करना।

4–विभिन्न ऋतुओं में उगने वाले खरपतवारों का अध्ययन करना।

5–फसलों में उपयोग होने वाले विभिन्न प्रकार के कृषि यन्त्रों का अध्ययन करना।

6–जैविक व रासायनिक खाद में पाये जाने वाले प्रतिशत तत्वों का अध्ययन करना।

7–सिंचाई की विधियों एवं उससे होने वाले लाभ व हानियों का अध्ययन करना।

8–विभिन्न फसलों में दिये जाने वाले उर्वरकों का अध्ययन करना।

9–बलुई मिट्टी में उगाई जाने वाली फसलों तथा उसके सुधारने के उपाय का अध्ययन करना।

10–फसलों की पंक्तियों में बुआई से उत्पादन पर प्रभाव का अध्ययन करना।

नोट :–प्रोजेक्ट कार्य एवं प्रयोगात्मक परीक्षा का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।

<u>शैक्षिक सत्र 2022–23 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् कराये जाने की संस्तुति की जाती है:–</u>

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)	**अगस्त माह**	**10 अंक (5+5)**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक (5+5)**

3–चार मासिक परीक्षाएं **10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) जुलाई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) अगस्त माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम –

जलवायु विज्ञान भारत तथा कृषि क्रियाओं

मृदायें- मृदा विन्यास, रंध्रावकाश, सुघट्यता, घनत्व, संसजन और असंजन,

खाद तथा उर्वरक–पौधों के आवश्यक पोषक तत्व और उनके स्रोत, खलियाँ आदि।

कर्षण– जुताई की विधियाँ।

कृषि यन्त्र– (क) विभिन्न प्रकार के हल जैसे-देशी।

(ग)–खूँटीदार, कमानीदार, तिकोनिया।

(ङ) हाथ के औजार–हो तथा रैक।

फसलों का वर्गीकरण–दियारा खेती, मिश्रित खेती।

निम्न फसलों की खेती–ज्वार, कपास, सोयाबीन तथा जौ।

पशुपालन– भेड।

लेखपाल के कागजात– जोत-बही तथा उसकी उपयोगिता।